बालोंका aaa अन्तर एक समय दे और उत्कृष्ट अन्तर साधिक चौबीस दिन-रात हे, क्योंकि सम्यक्त्वको  
आस होनेवालोंका और masa’ मिथ्यात्वमें जानेवाले aie उत्क्रष्ट अन्तर साधिक चौबीस दिन-रात है,  
इसलिए, यह उत्कृष्ट अन्तर उक्त काल्प्रमाण कहा है | तौन dozer और पुरुषवेदकी जबन्य स्थितिवाल्लोंका  
ord अन्तर एक समय है और उत्क्रष्ट अन्तर साधिक एक वर्ष है, क्योंकि इन प्रकृतियोंके उदबसे इतने  
कालके अन्तरसे क्षपकश्रेणिपर आरोइण करना सम्भव है | छोमसंज्वलनकी जघन्य स्थितिवालोंका जघन्य अन्तर  
एक समय और उत्कृष्ट अन्तर छह मदीना हे, क्योंकि क्षपकप्नेणिका जघन्य अन्तर एक समय और उत्कृष्ट  
अन्तर छह iar हे | afte ate नपुं सकवेदकी जघन्य Raftardier awe अन्तर एक समय और उत्कृष्ट  
अन्तर संख्यात वर्ष है, क्योंकि इन वेदवालॉका इतने कालके ora क्षपक्ेणि पर आरोहण करना सम्भव  
है। इन सब प्रकृतियोंकी अनघन्व स्थितिवालोंका अन्तर काल नहीं है यह स्पष्ट दी है । गति आदि मार्गणाओं  
में अपनो अपनी विशेषता जानकर ae अन्तरकाछ ले आना चाहिए।  
  
सन्निकपे--मिथ्यात्वकी उत्कृष्ट स्थितिवाले जीवके सम्यकक्‍त्व और सम्य्मिध्यात्वकी सत्ता होती भी है  
और नहीं मी होती | यदि अनादि मिथ्यादृ्टि जीव हैं या जिन्होंने इन दोनोंकी उद्देलना कर दी हे उनके  
सत्ता नहीं होतो, शेष जीवोंके Ae है । जिनके सत्ता होती है उनकी इनकी स्थिति नियमसे अलुत्कृष्ट होती  
है, क्योंकि मिथ्यात्वकी उत्कृष्ट स्थिति मिथ्यात्व गुणस्थानमें होती है और इनकी उत्कृष्ट हिथति बेदकसम्पक्त्वकी  
mie प्रथम समयमें होती है, इसलिए मिध्यात्वकी उत्कृष्ट स्थितिवाले जीवके इन दोनोंकी उत्कृष्ट  
स्थितिका निषेघ किया दे | इनको अलुत्कृष्ट स्थिति मी अन्तर्मुहर्त कम अपनी उत्कृष्ट स्थितिसे लेकर एक  
स्थितिपर्यन्त दोती है । कारण स्पष्ट है । इतनी विशेषता हे कि अन्तिम जघन्य उद्देडनाकाप्डककी अन्तिम  
फाहिमें जितने निपेक होते हैं उतने मिध्यात्वकी उत्कृष्ट स्थितिके साथ इन दोनों प्रकृतियोंकी अनु्कृष्ट स्थितिके  
सन्निकर्ष विकल्प नहीं होते | मिथ्यात्वकी उत्कृष्ट स्थितिवाले जीवके सोलह कषायोंकी उत्कृष्ट स्थिति भी होती  
है और age स्थिति भी होती है। यदि मिथ्यात्वकी उत्कृष्ट स्थितिका set करते समय सोलह कपायोंकी  
उत्कृष्ट स्थितिका aor करता हे तो उत्कृष्ट स्थिति होती है, अन्यथा अनुल्कृष्ट स्थिति होती है जो अपनी  
उत्कृष्ट स्थितिकी अपेक्षा कमसे कम एक समय और अधिकसे अधिक set असंख्यातें मागप्रमाण  
कम द्वोती Bw, पुरुषवेद, हास्य और रातकी नियमसे अनुत्कृष्ट स्थिति होती हे, क्‍योंकि उस  
समय इनका aoa नहीं होता जो अपनी उत्कृष्ट स्थितिकी अपेक्षा कमसे कम अन्तरमहृत कम होती है और  
इस प्रकार gate कम होती हुई इनकी अलुत्कडट स्थिति अन्तःकोड़ाकोड़ी प्रमाण तक oe हो  
सकती हे। मिथ्यात्यकी उत्कृष्ट स्थितिके समय शेष पाँच नोकपायोंकी स्थिति उत्कृष्ट भी होती हे  
और ages भी होती है । यदि उस समय सोलह कपायोंकी cee स्थितिका अन्ध होकर एक आवछि  
कम उसका पाँच नोकपायोंमें संक्रमण हो रहा है तो उत्कृष्ट स्थिति होती है, अन्यथा अलुत्कष्ट स्थिति होती है  
जो अपनी उत्कृष्ट स्थितिको अपेक्षा एक समय कमसे लेकर पल्‍्यका असंख्यातवां भाग कम बीस कोड़ाकोड़ी  
सागर तक सम्भव है । इस प्रकार मिथ्यात्वकी उत्कृष्ट स्थितिको प्रधान करके सस्निकर्षका विचार किया |  
  
सम्बक्त्वकी उत्कृष्ट स्थितिवालेके ferent स्थिति नियमसे अनुत्कृष्ट होती है जो अपनी spe  
स्थितिकी अपेक्षा seadgd on द्वोती है। उस समय सम्यश्मिथ्यात्वकी स्थिति नियमसे उत्कृष्ट होती है ।  
कारण स्पष्ट है। सोलह कपाय और नौ नोकपायोंकी स्थिति नियमसे अनुल्कृश् होती है जो अपनी sone  
fend अपेक्षा अन्तर्मूर्त कमसे लेकर पल्‍्यके असंख्यातवें भागप्रमाण कम तक होती है। सम्बग्मिध्वास्वकी  
उत्कृष्ट स्थितिको मुख्य करके इसी प्रकार सनह्निकर्ष विकल्प जानना चाहिए | मिथ्यात्वकी उत्कृष्ट स्थितिको  
मुख्य करके पहले सलह्निकर्ष कह आये हैं उसी प्रकार सोलह कपायोंकी उत्कृष्ट स्थितिको अपेक्षा सल्रिकर्ष  
जानना चाहिए.।  
  
स्रीवेदको उत्कृष्ट स्थितिवालेके मिथ्यात्वकी स्थिति नियमसे aaa ae है जो अपनो उत्कृष्टकी  
अपेक्षा एक समय कमसे लेकर पल्थके असंख्यातवें भागप्रमाण कम तक द्वोती है | aaa और सम्बग्मि-